



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 611]

No. 611]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 17, 2005/ज्येष्ठ 27, 1927

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 17, 2005/JYAISTHA 27, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जून, 2005

आय-कर

का.आ. 856(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (पंद्रहवाँ संशोधन) नियम, 2005 है।
- (2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,-

(क) भाग 2 के उपभाग च में, नियम 11ड के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“ धारा 35कग की उपधारा (4) के खण्ड (ii) के अधीन किसी अनुमोदित संगम या संस्था द्वारा रिपोर्ट का प्ररूप

11डक.(1) धारा 35कग की उपधारा (4) के खण्ड (ii) के अधीन किसी अनुमोदित संगम या संस्था द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट प्ररूप संख्या 58ग में होगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट रिपोर्ट वित्तीय वर्ष की समाप्ति के तीन मास के अवसान से पूर्व राष्ट्रीय समिति को प्रस्तुत की जाएगी।

(3) राष्ट्रीय समिति, उपनियम (2) में निर्दिष्ट रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात् किसी भी समय संगम या संस्था द्वारा प्रस्तुत जानकारी का निरीक्षण या सत्यापन कर सकेगी।

किसी पब्लिक सैक्टर कम्पनी या स्थानीय प्राधिकारी या संगम या संस्था द्वारा जो धारा 35कग की उपधारा (5) के खण्ड (ii) के अधीन अधिसूचित पात्र परियोजना या स्कीम चला रही हैं, रिपोर्ट का प्ररूप।

11डकक. (1) धारा 35कग की उपधारा (5) के खण्ड (ii) के अधीन पात्र परियोजना या स्कीम के संबंध में पब्लिक सैक्टर कम्पनी या स्थानीय प्राधिकारी या संगम या संस्था द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट प्ररूप संख्या 58घ में होगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट रिपोर्ट वित्तीय वर्ष की समाप्ति के तीन मास के अवसान से पूर्व राष्ट्रीय समिति को प्रस्तुत की जाएगी।

(3) राष्ट्रीय समिति, उपनियम (2) में निर्दिष्ट रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात् किसी भी समय पब्लिक सैक्टर कम्पनी या स्थानीय प्राधिकारी या संगम या संस्था द्वारा प्रस्तुत जानकारी का निरीक्षण या सत्यापन कर सकेगी।”

(ख) परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं० 58ख के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किए जाएंगे,

अर्थात् :-

“ प्ररूप 58ग
(नियम 11डक देखें)

किसी अनुमोदित संगम या संस्था द्वारा आय-कर अधिनियम की धारा 35कग की उपधारा (4) के खण्ड (ii) के अधीन राष्ट्रीय समिति को प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट रिपोर्टगत अवधि -----से -----तक

1. संगम या संस्था का नाम :-----
2. स्थायी लेखा संख्यांक/निर्धारण सर्किल/वार्ड : -----
3. संसूचना के लिए पता :-----
4. वह निर्देश सं० जिसके द्वारा राष्ट्रीय समिति ने संगम या संस्था को अनुमोदन दिया है : -----

5. क्या उन व्यक्तियों के विरुद्ध जो संगम या संख्यांक कार्यों का प्रबन्ध कर रहे हैं, वित्तीय अनियमितताओं, भाई-भतीजावाद, विभेद आदि के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त हुई है, यदि हां तो उसके ब्यौरे : -----

6. क्या किसी पात्र व्यक्ति को पात्र परियोजना या स्कीम से फायदा लेने से धर्म, मूल, वंश, जाति, लिंग, जन्म के स्थान आदि के आधार पर विभेद किया गया है, यदि हां तो उसके ब्यौरे : ———
7. क्या संगम या संस्था के लिए उपवर्णित मूल प्रयोजन से कोई विचलन हुआ है, यदि हां, तो उसके ब्यौरे : ———
8. क्या उन व्यक्तियों ने जो संगम या संस्था के कार्यों का प्रबन्ध कर रहे हैं, संगम या संस्था से उनके मामले में उनके लिए अनुदेय पारिश्रमिक या मानदेय से भिन्न कोई फायदा प्राप्त किया है, यदि हां, तो उसके ब्यौरे : ———

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

स्थान ———

तारीख ———

नाम और पदनाम

“प्ररूप 58घ

(निगम 11डकक देखें)

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35कग की उपधारा (5) के खण्ड (ii) के अधीन किसी पब्लिक सैक्टर कम्पनी, स्थानीय प्राधिकारी या किसी अनुमोदित संगम या संस्था द्वारा पात्र परियोजना या स्कीम के संबंध में राष्ट्रीय समिति को प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट

रिपोर्टगत अवधि ——— से ——— तक

1. राष्ट्रीय समिति द्वारा अनुमोदित परियोजना या स्कीम का नाम : ———
2. परियोजना या स्कीम को चलाने वाली पब्लिक सैक्टर कम्पनी, स्थानीय प्राधिकारी संगम या संस्था का नाम : ———
3. पात्र परियोजना या स्कीम को चलाने वाले समुत्थान का साथायी लेखा सं0/ निर्धारण वार्ड / सर्किल : ———
4. संसूचना के लिए पता : ———
5. अधिसूचना सं0, अधिसूचना की तारीख और परियोजना / स्कीम की फाइल सं0 : ———
6. परियोजना या स्कीम का उद्देश्य : ———
7. क्या पात्र परियोजना / स्कीम के लिए पृथक् खाते रखे जा रहे हैं, यदि ऐसा है तो रिपोर्ट के साथ ऐसे खातों की प्रति संलग्न की जाए : ———
8. क्या राष्ट्रीय समिति का अनुमोदन निर्बन्धनों और शर्तों के साथ प्रमुख स्थानों पर संप्रदर्शित किया गया है और यदि ऐसा है तो, उसके ब्यौरे (यदि संभव हो तो फोटोग्राफ संलग्न करें)

रिपोर्टगत अवधि के दौरान पात्र परियोजना या स्कीम का पालन

| परियोजना या स्कीम की प्रकृति | परियोजना या स्कीम का नाम और पता | परियोजना की कुल लागत और राष्ट्रीय समिति द्वारा अनुमोदित रकम | धारा 35 का के अधीन संगृहीत संदान | परियोजना पर उपगत व्यय | | | | | परियोजना / स्कीम द्वारा पूरा किए जाने वाला लक्ष्य (मात्रात्मक ब्योरे दें) | रिपोर्टगत अवधि के दौरान उपलब्धि | संराशिकृत आंकड़े | कमी के लिए कारण, यदि कोई हों | अभियुक्तियां |
|--|---------------------------------|---|----------------------------------|-----------------------|--|------------------|---|------------------|---|---------------------------------|------------------|------------------------------|--------------|
| | | | रिपोर्टगत अवधि के दौरान | संराशिकृत आंकड़े | रिपोर्टगत अवधि के दौरान धारा 35का के अधीन प्राप्त संदानों से | संराशिकृत आंकड़े | अन्य स्रोतों से (अभियुक्तियों में स्रोत वर्णित करें) | संराशिकृत आंकड़े | | | | | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| (क) पीने के पानी की परियोजना (i) ग्रामीण क्षेत्र | | | | | | | | | (i) पम्प सैट (ii) कुरें (iii) नलकूप (iv) पाइपें बिछाना (v) अन्य | | | | |

| |
|---|
| (च) खेलों का संवर्धन |
| (छ) प्रदूषण नियंत्रण |
| (ज) अन्य रूप से स्त्रियों और ग्रामीण क्षेत्रों में बारह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए |
| (I) शैक्षणिक संस्थाएं |
| (II) अस्पताल और चिकित्सीय सुविधाएं |
| (झ) क्रैंच और विद्यालय चलाना |
| (ञ) प्राकृतिक उर्वरकों को प्रोत्साहित करना |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | </ |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

परियोजना या स्क्रीन को चलाने वाले समुत्थान के प्रधान अधिकारी के हस्ताक्षर

नाम और पदनाम

[अधिसूचना सं. 164/2005/फा. सं. 142/44/2004--टीपीएल]

ए. श्रीनिवासा राव, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए और अंतिम संशोधन आय-कर (तेरहवां संशोधन) नियम, 2005 द्वारा अधिसूचना सं. का.आ. 756(अ), तारीख 1-6-2005 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 17th June, 2005

INCOME-TAX

S.O. 856(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (15th Amendment) Rules, 2005
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962,-

(a) in Part II, in sub-part F, after rule 11M, the following rules shall be inserted, namely:-

“Form of report by an approved association or institution under clause (ii) of sub-section (4) of section 35AC

11MA. (1) The report to be furnished by the approved association or institution under clause (ii) of sub-section (4) of section 35AC shall be in Form No. 58C.

(2) The report referred to in sub-rule (1) shall be furnished to the National Committee before the expiry of three months from the end of the financial year.

(3) The National Committee, after receipt of the report referred to in sub-rule (2) may, at any time, undertake to inspect or verify the information furnished by the association or institution.

Form of report by public sector company or local authority or association or institution, which is carrying out a notified eligible project or scheme, under clause (ii) of sub-section (5) of section 35AC

11MAA. (1) The report to be furnished by a public sector company or local authority or an association or institution in respect of the eligible project or scheme, under clause (ii) of sub-section (5) of section 35AC shall be in Form No. 58D.

(2) The report referred to in sub-rule (1) shall be furnished to the National Committee before the expiry of three months from the end of the financial year.

(3) The National Committee, after receipt of the report referred to in sub-rule (2) may, at any time, undertake to inspect or verify the information furnished by the public sector company or local authority or association or institution.”

(b) In Appendix II, after Form No. 58B, the following forms shall be inserted, namely :-

1846 GI/2005-3

“FORM 58C

(See rule 11MA)

Report to be submitted under clause (ii) of sub-section (4) of section 35AC of the Income-tax Act, 1961 to the National Committee by an approved association or institution

Reporting period to

1. Name of the association or institution:
2. PAN/assessment Circle/Ward:
3. Address for communication:
4. Reference number by which the National Committee has given approval to the association or institution:
5. Whether any complaint has been received against the persons managing the affairs of the association or institution regarding financial irregularities, nepotism, discrimination etc. If yes, the details thereof:
6. Whether any eligible person has been discriminated from getting the benefits of the eligible project or scheme on the basis of religion, race, caste, sex, place of birth etc. If yes, the details thereof:
7. Whether there is any deviation from the original purpose set out for the association or institution. If yes, the details thereof:
8. Whether the persons managing the affairs of the association or institution have received any personal benefits from the association or institution other than the remuneration or honorarium allowable in their case. If yes, the details thereof:

Certified that the above information is true to the best of my knowledge and belief.

Place:

Date:

.....
Name and Designation

FORM 58D
(See rule 11MAA)

Report to be submitted by a public sector company, local authority or an approved association or institution under clause (ii) of sub-section (5) of section 35AC of the Income-tax Act, 1961 to the National Committee on a notified eligible project or scheme

Reporting period to

1. Name of the project or scheme approved by the National Committee:
2. Name of the public sector company, local authority, association or institution carrying on the project or scheme:
3. PAN/assessment Ward/Circle of the concern carrying on the eligible project or scheme
4. Address for communication:
5. Notification number, date of Notification and File number of the project/scheme:
6. Objective of the project or scheme:
7. Whether separate accounts are being maintained for the eligible project/scheme and if so, a copy of such accounts to be submitted with this report:
8. Whether the approval of the National Committee with terms and conditions has been displayed at prominent place; and if so, details thereof (attach photographs, if possible):

[illegible]

Certified that the above information is true to the best of my knowledge and belief.

Signature of the principal officer of
the concern carrying on project or scheme

.....
Name and Designation"

A. SREENIVASA RAO, Under Secy.

Note :— The principal rules were published vide Notification No. S.O. 969(E), dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (13th Amendment) Rules, 2005 vide

Notification No. S.O. 756(E), dated 1-6-2005.